न्यूज डायरी

सीरिया में अमेरिका और रूस की सेना के बीच जोरदार झड़प

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दमिश्क। दुनिया की दो महाशक्तियों अमेरिका और रूस के सैनिकों के बीच युद्धग्रस्त पूर्वी सीरिया में जोरदार झड़प का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि रूसी सैनिकों ने तेजी से आगे बढ़ते हुए अपने आर्मर्ड वीइकल से अमेरिकी सैनिकों को टक्कर मार दी। इस झड़प में कम से कम 4 अमेरिकी सैनिक घायल हो गए हैं। इस घटना के वीडियो में नजर आ रहा है कि रूस ने अपने हेलिकॉप्टर का भी इस्तेमाल किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक बयान जारी करके कहा है कि यह घटना 25 अगस्त सुबह 10 बजे की है। उन्होंने कहा कि उत्तरपूर्वी सीरिया में उनके सैनिकों और रूसी सैनिकों का आमना सामना हो गया। इस दौरान विवाद हो गया और एक रूसी आर्मर्ड वीइकल ने अमेरिका के आर्मर्ड वीइकल को टक्कर मार दी। इससे कुछ सैनिक घायल हो गए। तनाव को कम करने के लिए हम उस इलाके से हट गए।

धरती पर गिरे 456 करोड़ साल पुराने इंद्रधनुषी उल्कापिंड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोस्टा रीका। कोस्टा रीका में पिछले साल मिले इंद्रधनुष रंग के उल्कापिंड के टुकड़े में धरती पर जीवन की शुरुआत से जुड़े रहस्य छिपे हो सकते हैं। ये उल्कापिंड एक ऐस्टरॉइड से टूटकर ला पालमेरा और ऐगुअस जारकस गांवों में पिछले साल अप्रैल में फैल गया था। ये ऐस्टरॉइड हमारे सोलर सिस्टम के वक्त का बचा हुआ हिस्सा बताया जाता है और इससे निकला उल्कापिंड, Aguas Zarcas कई कार्बन कंपाउंड्स के मिलकर बने होने की संभावना है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसमें कॉम्प्लेक्स ऑर्गेनिक कंपाउंड हो सकते हैं क्योंकि यह शुरुआती डपसाल ॅल की उसी धूल से बना है जो 1969 में ऑस्ट्रेलिया में पाया गया था। उसमें अमीनो ऐसिड भी मिले थे। अभी इस बात की पुष्टि की जानी बाकी है और टीम को उम्मीद है कि इसमें प्रोटीन मिल सकते हैं।

वियतनाम के इस बुजुर्ग ने 80 साल से नहीं काटे बाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वियतनाम। वियतनाम के 92 साल के बुजुर्ग ने 80 साल से अपने बाल नहीं काटे हैं। अब उनके बाल करीब 5 मीटर लंबे हो गए हैं। यही नहीं इतने वर्षों में उन्होंने कभी अपने बाल भी नहीं झाड़े। इस बुजुर्ग शख्स का नाम है नगुयेन वान चेइन। चेइन के बाल न काटने और झाड़ने के पीछे उनका एक अजीब डर छिपा हुआ है। दरअसल, चेइन को डर लगता है कि अगर उन्होंने बाल काटे तो उनकी मौत हो जाएगी। चेइन इस आस्था को मानते हैं कि ईश्वर ने पैदा होते समय जो कुछ भी दिया है, उसे छूना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा, मेरा विश्वास है कि यदि मैंने अपने बाल काट दिए तो मैं मर जाऊंगा। मैंने तय किया कि कुछ भी नहीं बदलूंगा, यहां तक कि अपने बाल झाड़ूंगा भी नहीं। चेइन ने कहा, मैं बालों की केवल सेवा करता हूं। स्कार्फ से इसे ढंककर रखता ताकि ये सूखे बने रहे। साथ ही इसे साफ रखता हूं ताकि अच्छा दिखें।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 2,94,638 हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 445 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 2,94,638 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि कोविड–19 के छह और रोगियों की मौत के साथ ही मृतकों की तादाद 6,274 हो गई। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान में अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए लोगों की संख्या 2,94,638 हो गई है, जिनमें 2,79,561 लोग ठीक हो चुके हैं। सिंध में संक्रमण के सबसे अधिक 128,877 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा पंजाब में 96,540, खैबर–पख्तूनख्वा में 35,893, इस्लामाबाद में 15,562, बलूचिस्तान में 12,721, गिलगित–बल्तिस्तान में 2,773 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 2,272 लोग वायरस से संक्रमित पाए गए हैं।

चीन–पाक को जवाब है भारत–वियतनाम दोस्ती

करारा जवाब

चीन की नौसेना ने दक्षिण चीन सागर में एक साथ चार समुद्री इलाकों में युद्धाभ्यास किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हनोई। चीन की नौसेना ने दक्षिण चीन सागर में एक साथ चार समुद्री इलाकों में युद्धाभ्यास करके अमेरिका को सख्त संदेश दिया है। चीन ने यह युद्धाभ्यास ऐसे समय पर किया है जब अमेरिका के एयरक्राफ्ट कैरियर और बमवर्षक विमान इस इलाके में लगातार गश्त कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का उद्देश्य भले ही अमेरिका को संदेश देना था लेकिन इस असर अब उसके पड़ोसी देशों पड़ रहा है। इसी वजह से अब वियतनाम और भारत साथ आ रहे हैं जो मिलकर चीन और पाकिस्थान की नापाक दोस्ती को करारा जवाब दे सकते हैं।

चीन ने दक्षिण चीन सागर में वियतनाम से सटे वूडी द्वीप पर अपना बेहद घातक बमवर्षक विमान एच–6 जे तैनात किया है। इससे वियतनाम काफी खफा है। वियतनाम ने कहा कि यह बॉम्बर न केवल वियतनाम की संप्रभुता का उल्लंघन है, बल्कि

क्षेत्र में शांति के लिए संकट पैदा कर सकता है। बताया जा रहा है कि पिछले शुक्रवार को वियतनाम के राजदूत फाम सान्ह चाउ ने भारतीय विदेश सचिव हर्ष वर्द्धन श्रृंगला से मुलाकात करके साउथ चाइना सी में बढ़ते तनाव के बारे में बताया था।

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स डिफेंस फोर्स अकादमी में प्रफेसर कार्लेयले थायर ने साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट से बातचीत में कहा कि वियतनाम के राजदूत की यह मुलाकात काफी मायने रखती है। उन्होंने कहा कि वियतनाम ने बमवर्षक विमान तैनात करने की जानकारी भारत को दी है। वियतनाम चीन के खिलाफ राजनीतिक समर्थन जुटाना चाहता है। वियतनाम के विदेशी मामलों के जानकार हूयंच ताम सांग ने कहा कि भारत के साथ संपर्क साधकर वियतनाम ने यह दिखा दिया है कि उसे भारत का न केवल समर्थन हासिल है बल्कि वह खुद भी साउथ चाइना सी में मुक्ध्त आवागमन के भारत के मांग का समर्थन करता है।

सांग ने कहा कि भारत और वियतनाम के बीच रक्षा संबंधों की मजबूती ठीक समय पर चीन को संदेश देगा। अमेरिका की रक्षा मंत्रालय में शोधकर्ता मोहन मलिक कहते हैं कि भारत और वियतनाम की दोस्ती चीन और पाकिस्तान के रिश्ते का जवाब है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से चीन और पाकिस्तान भारत के खिलाफ आपस में समन्वय करते हैं और सैन्य कदम उठाते हैं, उसी तरह से नई दिल्ली और हनोई एक–दूसरे को ड्रैगन के खिलाफ जानकारी देने लगे हैं। जिस तरह से पाकिस्तान चाहता है कि चीन हिंद महासागर में अपनी मजबूत सैन्य उपस्थिति करे, उसी तरह से वियतनाम चाहता है कि भारतीय नौसेना साउथ चाइना सी में अपनी उपस्थिति बढ़ाए।

भारत और वियतनाम दोनों ही रूसी हथियारों पर काफी हद तक निर्भर हैं। इस क्षेत्र में वे आपस में मदद कर सकते हैं। मोहन मलिक कहते हैं कि भारत और वियतनाम आपस में चीनी नेवी के बारे में खुफिया सूचनाओं का आदान–प्रदान करके एक दूसरे की मदद कर सकते हैं।

भारत की मोदी सरकार से 50 फीसदी चीनी नागरिक खुश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। लद्दाख के गलवान घाटी में भारत और चीन की सेना के बीच खूनी संघर्ष के 3 महीने बाद चीन के सरकारी प्रोपेगैंडा अखबार ग्लोबल टाइम्ब्स ने दोनों देशों के बीच संबंधों को लेकर सर्वे कराया है। इस सर्वे के परिणाम से यह पता चला है कि चीनी लोग अपने नेताओं के ऐक्शन से खुश नहीं हैं। उधर, इस सर्वे में करीब 51 फीसदी चीनी लोगों ने भारत की मोदी सरकार की प्रशंसा की है।

ग्लोबल टाइम्स के सर्वेक्षण में 70 फीसदी चीनी लोगों ने कहा कि भारत में चीन विरोध ी सोच बहुत ज्यादा है। वहीं 30 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें लगता है कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधरेंगे। 9 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें लगता है कि कम अवधि में संबंधों में सुधार होगा, वहीं 25 फीसदी लोगों का मानना था कि लंबी अवधि में संबंधों में सुधार होगा।

इस बीच चीन की विवादों में चल रही टेक कंपनी हुवावे भारतीयों को लुभाने के लिए जीतोड़ प्रयास कर रही है। हुवावे बड़े–बड़े विज्ञापन दे रही है। हुवावे ने कहा कि वह भारत के प्रति प्रतिबद्ध है और पिछले 20 साल से भारत में काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत हुवावे के उपकरणों को चरणबद्ध तरीके से हटाना चाहता है।

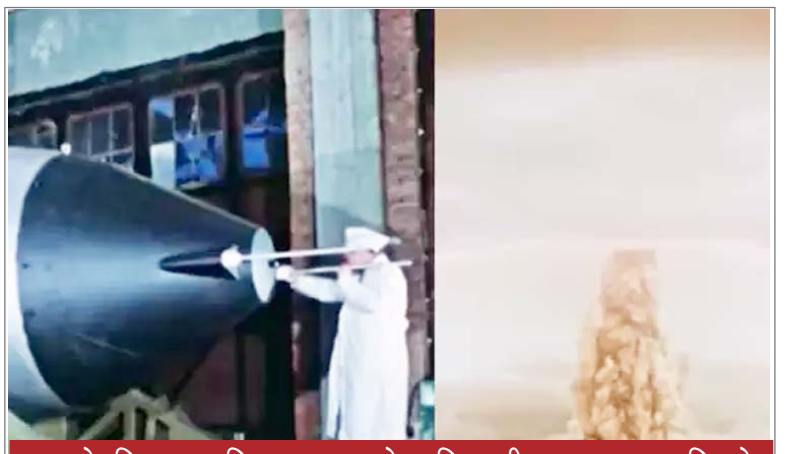

रूस ने दिखाया दुनिया का सबसे शक्तिशाली परमाणु बम विस्फोट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रूस। रूस ने दुनिया के सबसे बड़े परमाणु बम विस्फोट का वीडियो दुनिया के सामने जारी कर दिया है। अब तक टॉप सीक्रेट रहे इस महाविनाशक वीडियो में सबसे बड़े परमाणु बम विस्फोट का पूरा विवरण दिया गया है। इवान नामक इस परमाणु बम की ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जापान के हिरोशिया में गिराए गए परमाणु बम से यह 3333 गुना ज्यादा शक्तिशाली था। रूस ने कोल्ड वॉर के दौरान अपने जा बांबा डिवाइस का 30 अक्टूबर 1961 को बैरंट सागर में परीक्षण किया था। इस परमाणु बम की विनाशक क्षमता को देखते हुए इसे धरती के खात्मे का हथियार कहा जाता है।

फिलीपीन्स ने चीन को दी चेतावनी हमला किया तो बुला लेंगे अमेरिकी सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मनीला। फिलीपीन्स ने चीन को चेतावनी दी है कि अगर उसने दक्षिण चीन सागर में उसके नौसैनिक जहाजों पर हमला किया तो वह अमेरिकी सेना को बुलाने के लिए बाध्य हो जाएगा। फिलीपीन्स के विदेश मंत्री टेओडोरो लोकसिन ने बुधवार को कहा कि चीन ने अगर हमला किया तो वह अमेरिका के साथ अपने रक्षा समझौते को लागू कर देगा। इससे पहले फिलीपीन्स के राष्ट्रपति रोड्रिगो डुटेर्टे के प्रशासन ने कहा था कि उनकी सरकार अमेरिका से मदद नहीं मांगेगी।

माना जा रहा है कि फिलीपीन्स और चीन के बीच साउथ चाइना

विदेश मंत्री ने कहा कि हमला हुआ तो वह अमेरिका के साथ समझौते को लागू कर देंगे

सी में बढ़ते तनाव के बाद मनीला ने पेइचिंग को यह चेतावनी दी है। विदेश मंत्री लोकसिन ने कहा कि चीन की चेतावनी के बाद फिलीपीन्स की वायुसेना आगे भी साउथ चाइना के ऊपर गश्त लगाती रहेगी। चीन ने इसे अवैध उकसावे वाली कार्रवाई बताया है। लोकसिन ने कहा, वे इसे अवैध कार्रवाई बताते हैं, आप उनके दिमाग को नहीं बदल सकते हैं। वे पहले ही न्यायालय में हार चुके हैं।

लोकसिन ने आगे कहा कि अगर चीन इससे आगे बढ़ते हुए हमारे जहाजों पर हमला करता है तो हम अमेरिकी सेना को बुला लेंगे। उन्होंने यह नहीं बताया कि किन परिस्थितियों में फिलीपीन्स अमेरिका को बुलाएगा, इस पर उन्होंने जवाब नहीं दिया। विदेश मंत्री लोकसिन ने इससे पहले अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो से बात की थी। लोकसिन का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अमेरिका और चीन के बीच साउथ चाइना सी को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है।

तामसुई नदी पर युद्धाभ्यास का महत्व काफी ज्यादा है। इस नदी के एक किनारे पर ताइवान है तो दूसरी ओर चीन। चीन के फाइटर जेट पिछले कुछ वक्त में ताइवान के काफी नजदीक आ चुके हैं।

अमेरिका ने फिर चीन को दिया झटका, पीएलए समर्थक 24 कंपनियों को किया बैन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। चीन और अमेरिका के बीच जारी विवाद और गहराता ही जा रहा है। साउथ चाइना सी, हॉन्ग कॉन्ग और ताइवान मुद्दे पर आमने सामने खड़े दोनों देश अब फिर व्यापार युद्ध की तरफ बढ़ रहे हैं। अमेरिका ने चीन की 24 कंपनियों उस सूची में डाल दिया है जो चीन की सेना की मदद करती हैं। जिसके बाद ये कंपनियां अमेरिका में अपना बिजनेस नहीं कर पाएंगी। इसके अलावा इन कंपनियों और इनसे जुड़े लोगों के खिलाफ कड़ी जांच भी की जाएगी।

अमेरिका ने आरोप लगाया है कि ये कंपनियां साउथ चाइना सी में ऑर्टिफिशियल द्वीप बनाकर उसके सैन्य अड्डा बनाने में सहायता करती हैं। अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में द्वीपों के निर्माण को लेकर चीन की कई बार आलोचना भी हो चुकी है। इसके अलावा समुद्री मामलों की ट्रिब्यूनल ने चीन के खिलाफ भी फैसला दिया था। बता दें कि सुबी रीफ स्पार्टले द्वीप समूह का हिस्सा है और इस पर चीन का नियंत्रण है। हालांकि वियतनाम, फिलिपीन्स और ताइवान पर सूबी रीफ पर अपना दावा जताते रहे हैं।